# हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला-176213

**Himachal Pradesh Board of School Education, Dharamshala-176213**

हि0शि0 बो0(38)/ संबद्धता/मई, 2020–106399 दिनांकः– 18/05/2020

प्रेषकः–

सचिव,
हि०प्र०स्कूल शिक्षा बोर्ड,
धर्मशाला–176215

प्रेषितः–

समस्त प्रधानाचार्य/मुख्याध्यापक,
राजकीय वरि०मा० पा० एंव
संबद्धता प्राप्त निजि शिक्षण संस्थान,
हि०प्र०स्कूल शिक्षा बोर्ड,
धर्मशाला–176215

**विषयः– "नमस्ते भारत अभियान" का हिस्सा बनने एंव इससे समस्त स्कूल छात्रों एवं उनके अभिभावकों को भी प्रेरित करने बारे।**

महोदय,

जैसा कि आपको विदित ही है कि पूरे विश्व में कोरोना वायरस महामारी का रूप ले चुका है और इसके कारण बहुत से लोगों को अपनी जान से हाथ भी धोना पड़ा है तथा इससे भारतवर्ष भी अछूता नहीं है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा इस महामारी से बचाव के लिए **"नमस्ते भारत अभियान"** चलाने का निर्णय लिया है और इस सन्दर्भ में दो पोस्टर भी स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी किये गये है जिसके एक पोस्टर में फोटो के माध्यम से तथा दूसरे पोस्टर में करोना के लक्षण एवं उससे बचाव के तरीकों को दर्शाया गया है, जिसका माननीय शिक्षा मन्त्री, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा भी स्वागत किया गया है तथा इस अभियान को चलाने के लिए स्कूल शिक्षा बोर्ड की भूरी-भूरी प्रसंशा की गई है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भी इस बारे में गाइडलाइन जारी की जा चुकी है कि कोरोना वायरस के संक्रमण से बचे रहने के लिए हैंडशेक न करें। इसी बीच, नमस्ते करने का चलन बडी तेज़ी से बढ़ा है और यह कोरोना वायरस से संक्रमित होने के खतरे को भी कई गुना तक कम कर देता है। दरअसल 'नमस्ते' शब्द संस्कृत शब्द के "नमस" से निकला है जिसका मतलब होता है कि " मेरा सिर आपके सामने झुक गया" । प्राचीन समय से ही नमस्ते का प्रचलन हमारे बीच रहा हैं। नमस्ते करने से आप उन संक्रामक बीमारियों से भी बचे रहते हैं, जो सीधे संपर्क में आने से फैलती हैं। नमस्ते करके हम अपने इष्ट, माता-पिता,बड़े-बुजुर्गों या गुरूजनों को प्रणाम करते हुए आदर व्यक्त करते है। दरअसल कोरोना वायरस का संक्रमण पर्सन टू पर्सन फैलता है। आफिस में या लोगों से मिलने के दौरान लोगों के बीच हैंडशेक ही होता है, इसके कारण यदि सामने वाले व्यक्ति को संक्रमण है या सर्दी खांसी के लक्षण है तो हैंडशेक के कारण वह संक्रमण बड़ी आसानी से आपको भी संक्रमित कर देगा। वहीं, नमस्ते करने से दो लोगों के बीच काफी दूरी होती है और इससे संक्रमण का खतरा बिलकुल नहीं होता है। भारत के प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी इसको लेकर सावधानियां बरतने की अपील की है। चिकित्सक भी बताते है कि सबसे ज्यादा संक्रमण हाथों से ही फैलता है, इसलिए हाथ मिलाने की बजाय नमस्ते करने की सलाह दी जा रही है। भारतीय संस्कृति में हाय, हैलो और हैंडशेक यानी हाथ मिलाने की जगह आदिकाल से नमस्ते की ही परंपरा रही है।

अतः आपसे निवेदन है कि आप इस अभियान को आगे चलाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें तथा अपने स्कूल के छात्रों को भी इस सन्दर्भ में विस्तार से अवगत करवायें और यदि हो सके तो उनके अभिभावकों को भी इस अभियान में शामिल करवाया जाये ताकि हिमाचल प्रदेश राज्य पूरे देश के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बन सके। आपको इस पत्र के साथ स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी किये गये पोस्टरों की Soft copies आपके स्कूल Login ID पर उपलब्ध करवाई जा रही है जिसका प्रिंट लेकर आप अपने स्कूल के प्रांगन एवं कमरों में उसकी एक-एक प्रति लगवाने की कृपा करें ताकि स्कूल छात्र/ अध्यापक/ एवं उनके अभिभावक इसे पढ़कर एवं देखकर जागरूक रहे तथा इनमें दर्शाई गई सावधानियों को अपने जीवन में अपनाकर इस महामारी से बचे रहें।

भवदीय,

सचिव

PC No.: 37A DA Code: 597